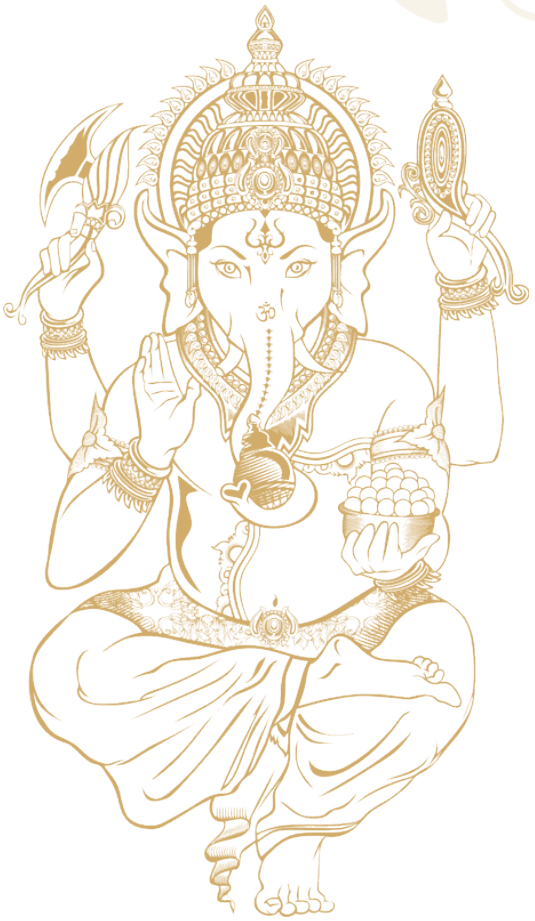

Ms. Khushboo Gupta

14 Nov 2025

12:32 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120145207

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**13-14/11/2025**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**00:32:21 घंटे**
इष्ट	44:34:35 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:11:13 घंटे
वेलान्तर	00:15:45 घंटे
साम्पातिक काल	03:43:48 घंटे
सूर्योदय	06:42:31 घंटे
सूर्यास्त	17:28:18 घंटे
दिनमान	10:45:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	27:26:11 तुला
लग्न के अंश	05:58:38 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	ऐन्द्र
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मो-मोहिनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	05:58:38	312:15:34	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	---
सूर्य			तुला	27:26:11	01:00:24	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	नीच राशि
चंद्र			सिंह	15:54:06	12:32:18	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	मित्र राशि
मंगल		अ	वृश्चि	12:26:58	00:43:32	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	स्वराशि
बुध	व	अ	वृश्चि	11:22:22	00:39:03	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	सम राशि
गुरु	व		कर्क	00:55:33	00:00:25	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	उच्च राशि
शुक्र			तुला	14:21:53	01:15:16	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
शनि	व		मीन	01:07:18	00:01:31	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु			कुंभ	21:55:47	00:00:23	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु			सिंह	21:55:47	00:00:23	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	05:32:54	00:02:29	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	05:21:05	00:00:52	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:22:18	00:00:52	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			वृष	03:58:55	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:10

लग्न-चलित

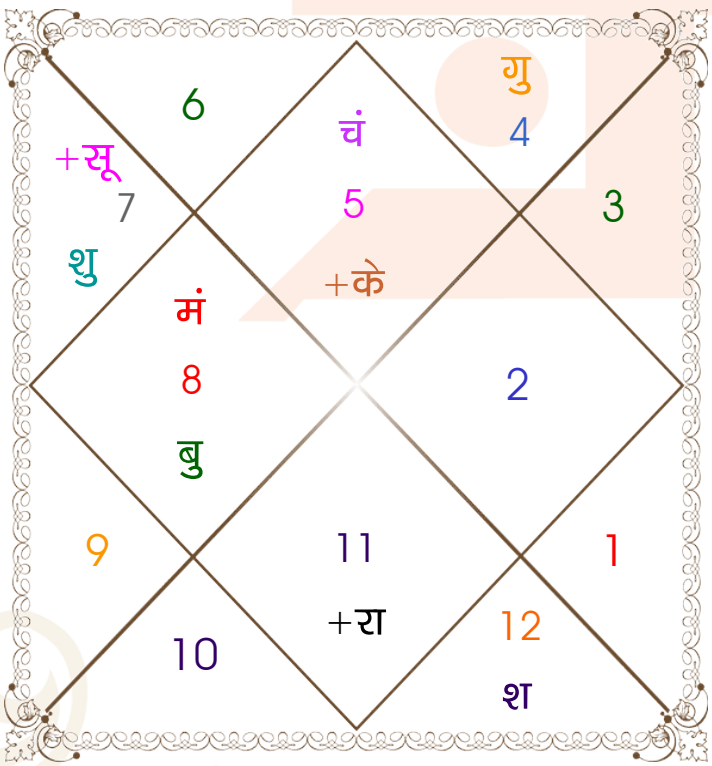

चन्द्र कुंडली

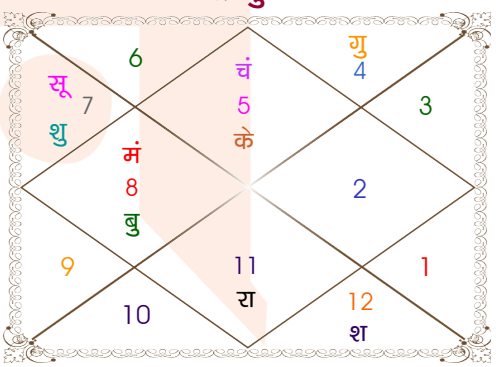

नवमांश कुंडली

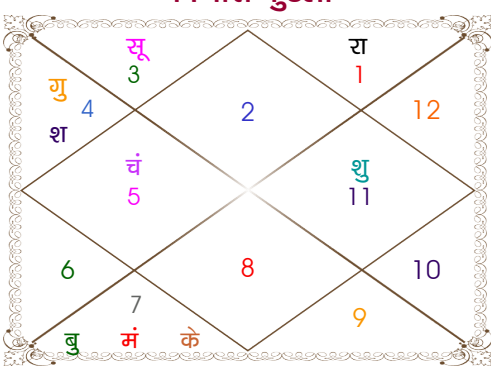

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 16 वर्ष 1 मास 23 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
14/11/2025		06/01/2042		07/01/2048		06/01/2058		06/01/2065	
06/01/2042		07/01/2048		06/01/2058		06/01/2065		07/01/2083	
	14/11/2025	सूर्य	26/04/2042	चंद्र	06/11/2048	मंगल	05/06/2058	राहु	19/09/2067
सूर्य	08/05/2026	चंद्र	26/10/2042	मंगल	07/06/2049	राहु	23/06/2059	गुरु	12/02/2070
चंद्र	07/01/2028	मंगल	02/03/2043	राहु	07/12/2050	गुरु	29/05/2060	शनि	19/12/2072
मंगल	08/03/2029	राहु	25/01/2044	गुरु	07/04/2052	शनि	08/07/2061	बुध	08/07/2075
राहु	08/03/2032	गुरु	12/11/2044	शनि	07/11/2053	बुध	05/07/2062	केतु	26/07/2076
गुरु	07/11/2034	शनि	25/10/2045	बुध	08/04/2055	केतु	01/12/2062	शुक्र	27/07/2079
शनि	06/01/2038	बुध	01/09/2046	केतु	07/11/2055	शुक्र	31/01/2064	सूर्य	19/06/2080
बुध	06/11/2040	केतु	07/01/2047	शुक्र	08/07/2057	सूर्य	07/06/2064	चंद्र	19/12/2081
केतु	06/01/2042	शुक्र	07/01/2048	सूर्य	06/01/2058	चंद्र	06/01/2065	मंगल	07/01/2083

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
07/01/2083		07/01/2099		07/01/2118		08/01/2135		07/01/2142	
07/01/2099		07/01/2118		08/01/2135		07/01/2142		00/00/0000	
गुरु	24/02/2085	शनि	10/01/2102	बुध	05/06/2120	केतु	06/06/2135	शुक्र	09/05/2145
शनि	07/09/2087	बुध	20/09/2104	केतु	02/06/2121	शुक्र	05/08/2136	सूर्य	15/11/2145
बुध	13/12/2089	केतु	29/10/2105	शुक्र	02/04/2124	सूर्य	11/12/2136		00/00/0000
केतु	19/11/2090	शुक्र	29/12/2108	सूर्य	07/02/2125	चंद्र	12/07/2137		00/00/0000
शुक्र	20/07/2093	सूर्य	11/12/2109	चंद्र	09/07/2126	मंगल	08/12/2137		00/00/0000
सूर्य	08/05/2094	चंद्र	12/07/2111	मंगल	06/07/2127	राहु	27/12/2138		00/00/0000
चंद्र	07/09/2095	मंगल	20/08/2112	राहु	23/01/2130	गुरु	02/12/2139		00/00/0000
मंगल	13/08/2096	राहु	27/06/2115	गुरु	30/04/2132	शनि	10/01/2141		00/00/0000
राहु	07/01/2099	गुरु	07/01/2118	शनि	08/01/2135	बुध	07/01/2142		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 16 वर्ष 2 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्न में हुआ था। लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर बृष राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इनके प्रभाव से यह स्पष्टत सूचना मिलती है कि आप पूर्ण रूपेण सुन्दर एवं आरामदायक उत्तम जीवन व्यतीत करेंगी। जीवन क्रम में कोई गम्भीर चिन्तनीय समस्याएं उत्पन्न नहीं होगी।

आप सिंह राशीय समन्वय की परिधि में आपका समय कोलाहलपूर्ण रहेगा। आप अन्तरात्मा से साहसिक प्रवृति की महिला है। आपको अपनी गतिशीलता से अप्रसन्नता प्राप्ति होती हैं। यदि आप निर्भयता पूर्वक सच्ची लग्न से व्यवसायिक कार्य प्रारम्भ करें तो आपको उत्तम एवं सन्तोषजनक फल प्राप्त होंगे। परन्तु आपके प्रभावशाली कार्य कलाप के सम्पादन पर आपके लाभ का अधिकांश भाग किसी भी परिस्थिति में व्यय करेंगी। आप चाहती है कि आपके परिवार के लोगों का पहनावा वस्त्रादि उत्तम रहें तथा आप इन वस्तुओं पर अच्छा धन व्यय करें। जिससे आपके घरेलू रहन सहन प्रभावशाली दिखाई दे। आप अपनी मित्र मण्डली के आमोद-प्रमोद एवं मिलन समारोह पर भी खूब व्यय करेंगी। आप सर्वथा धार्मिक आयोजनों पर तथा दान धर्म के कार्यो में अत्यन्त धन प्रदान करेंगी। परिणाम स्वरूप आप वृद्धावस्था में यह अनुभव करेंगी कि पूर्व में किया गया धन व्यय के कारण इस समय धन का बड़ा अभाव हुआ है। अतः इस प्रकार से अति मात्रा में धन व्यय पर नियंत्रण करें। अतः उत्तम तो यह है कि आप अपने धन की थैली का मुंह इस प्रकार नहीं खोले। मुख्यतः आपके जीवन का भाग्यशाली समय आपके 25 वर्ष की आयु से प्रारम्भ होगा।

आपको आत्म विश्वास है कि मैं धनी तथा सर्व विद्या से परिपूर्ण हूँ। आप का व्यवहार बहुत अन्धाधुंध अर्थात् दुःसाहसपूर्ण है। आप अन्य विकल्प के पूर्व अपने कार्य व्यवसाय के सम्बंध में शीघ्र निर्णय ले। अतः आपको व्यवसायिक विषयों पर अपने मित्रों तथा शुभ चिन्तकों द्वारा अच्छी परामर्श ग्रहण करने की शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए। वास्तव में आपको अपने निर्णय पर किसी भी प्रकार का गम्भीरतापूर्वक सामंजस्य न करे। यदि आप अपनी मद्यपान करने की मनोवृति में बदलाव नहीं ला सकी तो आपके जीवन में उच्चस्तरीय अभ्युदय युक्त विशेषतः अर्थहीन हो जाएगा।

यदि आप अपना पारिवारिक जीवन उत्तम प्रकार से व्यतीत करने की अभिलाषी हैं, तो आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति को नियंत्रित करने की अभ्यास करनी चाहिए। यदि आप अकस्मात आपने पारिवारिक सदस्यों पर कोघ्र प्रदर्शन कर अनुपयुक्त मतान्तरिक व्यवहार करती रही तो आपका प्रसन्नतम परिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो सकता है। वास्तव में आप घरेलू जीवन का आनन्द प्राप्त कर सकती हैं। यथा आपके पति तथा आपकी प्यारी सन्तानें आपको हार्दिक स्नेह प्रदान कर सकती हैं बशर्ते कि आप भी उसके बदले में समान आदान प्रदान करती रहें। आपकी विपरीत योनि के प्रति जो प्रसिद्धि है, एक गम्भीर एवं चिन्तनीय है। जिस विषय पर आपको सतर्क रहना चाहिए। आपकी यह प्रवृति आपके पति को सशंकित करती है। आपको अपने जीवन संगी की आशंकाओं का विस्तारपूर्वक स्पष्टीकरण करना चाहिए। क्योंकि आप विपरीत योनि के सदस्यों द्वारा प्रसिद्ध एवं प्रभावशाली है। इसका यह अर्थ नहीं कि आप अपने

जीवन साथी के प्रति विश्वघात करेंगी।

आपके जन्म प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप मुख्यतः एवं बृहत्कार कार्य कलाप करने की मनोवृति से युक्त हैं। आप अपने अधिनस्थ छोटे-छोटे कार्यों को कार्यान्वित नहीं करना चाहती हैं। आप स्थायी रूप से निगम (कारपोरेशन), कम्पनी तथा भूमि भवन-सम्बंधी कार्य बिन्दु को व्यवहृत करने के प्रति उपयुक्त है।

आप निश्चित रूप से सामान्यतया पूर्ण स्वस्थ रहेंगी। परन्तु आपको वृद्धावस्था के प्रति सावधानी बरतनी होगी क्योंकि ऐसा अवसर आ सकता है कि आपके रीढ़ की हड्डियों की परेशानी तथा हृदय सम्बंधी रोग से ग्रसित हो जाएं। आपकी शराब पीने की आदत एवं अतिरिक्त भोजन करने की आदतों को त्यागना वृद्धावस्था के लिए सहायक एवं अनुकूल होगा।

आपके लिए रंग लाल, हरा एवं नारंगी रंग के वस्त्रों का उपयोग अनुकूल है। रंग काला एवं सफेद रंगों का परित्याग करना श्रेयष्कर है।

आपके अनुकूल अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।